Solutions For Class 8 Hindi 2026-27

Teacher Amrendra Singh Call @ 8967311377

अध्याय 3. सुभाष चंद्र बोस का पत्र (पत्र) सुभाष चंद्र बोस

[1.] मौखिक प्रश्नोत्तर

Question क) सुभाष हेमंत के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित क्यों थे?

Answer: सुभाष हेमंत के स्वास्थ्य को लेकर इसलिए चिंतित थे क्योंकि हेमंत का स्वास्थ्य लगातार खराब चल रहा था और वह शारीरिक रूप से काफी कमजोर महसूस कर रहे थे।

ख) लेखक विस्तृत पत्र क्यों नहीं लिख पा रहे थे?

Answer: लेखक (सुभाष) अपनी व्यस्तता, मानसिक स्थिति या शायद पत्र लिखने की सीमाओं के कारण बहुत विस्तार से नहीं लिख पा रहे थे।

Question ग) सुभाष ने देशी लोगों के किन व्यावहारिक गुणों की चर्चा की है?

Answer: सुभाष ने देशी लोगों की सादगी, काम के प्रति निष्ठा और अपनी संस्कृति के प्रति उनके गहरे जुड़ाव जैसे व्यावहारिक गुणों की चर्चा की है।

[2.] सही-गलत

Question क) हेमंत को खराब स्वास्थ्य के चलते विश्वविद्यालय के कार्य भार से मुक्त कर दिया गया था।

Answer: गलत

Question ख) देशी जन जीवन के प्रकाशमय पक्ष पर अधिक ध्यान देते हैं।

Answer: सही

Question ग) स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही अपने राष्ट्रद्रोही की लापरवाही है।

Answer: सही

Question घ) सुभाष ने अपनी बात ममतापूर्ण ढंग से हेमंत के साथ साझा की।

Answer: सही

Question ङ) सुभाष आशावादी दृष्टिकोण के पक्ष धर थे।

Answer: सही

[3.] संक्षिप्त प्रश्नोत्तर

Question क) हेमंत के शरीर के विषय में क्या विचार थे?

Answer: हेमंत का मानना था कि उनका शरीर काफी कमजोर हो गया है और वह जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम नहीं हैं।

Question ख) सुभाष के अनुसार आशावादी होना क्यों आवश्यक है?

Answer: सुभाष के अनुसार, आशावादी होना इसलिए आवश्यक है क्योंकि बिना सकारात्मक दृष्टिकोण के हम जीवन के बड़े लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सकते और न ही देश सेवा के मार्ग पर चल सकते हैं।निराशा व्यक्ति की ऊर्जा को समाप्त कर देती है।

Question ग) पश्चिमी और पौरवात्य (पूर्वी) लोगों के आदर्शों में क्या अंतर है?

Answer: पश्चिमी आदर्श अक्सर भौतिकवाद और बाहरी उपलब्धियों पर केंद्रित होते हैं, जबकि पौरवात्य (भारतीय/पूर्वी) आदर्श आत्मिक शुद्धि, त्याग और आंतरिक शांति पर अधिक बल देते हैं।

[4.] विस्तृत प्रश्नोत्तर

Question क) हेमंत के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ बताइए।

Answer: 1. संवेदनशील: हेमंत अपने स्वास्थ्य और जीवन की परिस्थितियों को लेकर बहुत संवेदनशील थे।
2. विचारशील: वह जीवन के गहरे अर्थों और अपने कर्तव्यों के बारे में निरंतर सोचते रहते थे।

Question ख) 'मनुष्य अपने शरीर का न्यासी (Trustee) मात्र है' इस बात का क्या अभिप्राय है?

Answer: इसका अभिप्राय यह है कि यह शरीर हमारा अपना नहीं है, बल्कि ईश्वर या प्रकृति द्वारा दी गई एक अमानत है।एक न्यासी के रूप में हमारा कर्तव्य है कि हम इसकी देखभाल करें और इसे स्वस्थ रखें ताकि इसका उपयोग समाज और राष्ट्र के भले के लिए किया जा सके।इसे नष्ट करना या इसके प्रति लापरवाह होना गलत है।

Question ग) लेखक सिविल सर्विस से घृणा करते हुए भी परीक्षा की तैयारी क्यों कर रहे थे?

Answer: लेखक सिविल सर्विस से इसलिए घृणा करते थे क्योंकि वे ब्रिटिश शासन का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे, लेकिन शायद पारिवारिक दबाव, परिस्थितियों की मांग या अपनी योग्यता सिद्ध करने के उद्देश्य से वे इसकी तैयारी कर रहे थे।

[1.] वर्ण विचार (व्याकरण)

Question 1. अनुस्वार से बनने वाले शब्द

Answer: संबंध
अंश
संकल्प
संसार

Question 1. अनुस्वार से बनने वाले शब्द

Answer: नहीं
हाँ
चाँद
माँ

[2] वर्ण विच्छेद

Answer: क) ब्यौरा = ब् + य् + औ + र् + आ
ख) विस्तृत = व् + इ + स् + त् + ऋ + त् + अ
ग) राष्ट्रीय = र् + आ + ष् + ट् + र् + ई + य् + अ
घ) न्यासी = न् + य् + आ + स् + ई
ङ) तुम्हारा = त् + उ + म् + ह् + आ + र् + आ

[3] शद्व विचार (पर्यायवाची)

Answer: क) दायित्व — कर्तव्य, जिम्मेदारी
Answer: ख) उपेक्षा — अनदेखी, अवहेलना
Answer: ग) श्रम — मेहनत, परिश्रम
Answer: घ) देश — राष्ट्र, मातृभूमि
Answer: ङ) आयु — उम्र, जीवनकाल

[4] वाक्य परिवर्तन

क) मुझे तुम्हारे परीक्षा परिणाम के विषय में जानकर अच्छा लग रहा है।

भूतकाल — मुझे तुम्हारे परीक्षा परिणाम के विषय में जानकर अच्छा लगा।
भविष्य काल — मुझे तुम्हारे परीक्षा परिणाम के विषय में जानकर अच्छा लगेगा।

ख) मैं दत्त गुप्त को जल्दी ही पत्र लिखूँगा।

वर्तमान काल — मैं दत्त गुप्त को जल्दी ही पत्र लिखता हूँ।
भूतकाल — मैंने दत्त गुप्त को जल्दी ही पत्र लिखा।

ग) तुम अपने शरीर के प्रति उपेक्षा दिखाते थे।

वर्तमान काल — तुम अपने शरीर के प्रति उपेक्षा दिखाते हो।
भविष्य काल — तुम अपने शरीर के प्रति उपेक्षा दिखाओगे।

Question ई-मेल लेखन : अपने होस्टल में रहने वाले छोटे भाई बहन को पौष्टिक भोजन का महत्व बताते हुए ई-मेल लिखिए।

Answer: प्रिय छोटे भाई/बहन,
आशा करता हूँ कि तुम होस्टल में स्वस्थ और खुश हो।मुझे यह जानकर खुशी होती है कि तुम पढ़ाई में मन लगा रहे हो।लेकिन पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है।
पौष्टिक भोजन हमारे शरीर को शक्ति और ऊर्जा देता है।इससे शरीर मजबूत बनता है, रोगों से बचाव होता है और पढ़ाई में भी ध्यान अच्छी तरह लगता है।इसलिए तुम्हें रोज़ाना संतुलित

भोजन करना चाहिए, जैसे दूध, फल, हरी सब्जियाँ, दाल, रोटी और अंडा आदि।जंक फूड और ज्यादा तली-भुनी चीज़ों से बचना चाहिए।

तुम समय पर भोजन करो और पानी भी पर्याप्त मात्रा में पिया करो।याद रखो कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन रहता है और तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

अपना ध्यान रखना और समय-समय पर पत्र लिखते रहना।

स्नेह सहित,

तुम्हारा

भैया